North Central Zone Cultural Centre
Allahabad
(Ministry of Culture, Government of India)

मध्योत्तरी

उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र
इलाहाबाद
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)

प्रेस विज्ञप्ति

समाचार प्रकाशनार्थ

मोतिहारी, पूर्वी चम्पारण

आजादी के यज्ञ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की ऐतिहासिक चम्पारण यात्रा व नील आन्दोलन की पवित्र स्थली मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण) में राष्ट्रपिता की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहावाद द्वारा पूर्वी चम्पारण जिला प्रशासन के सहयोग से पांच दिवसीय श्रृंखलाबद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम 'लोकोत्सव' का आयोजन 25 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2018 तक किया जा रहा है।

ज्ञातव्य है कि उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, इलाहावाद, भारत सरकार के संस्कृति विभाग के अन्तर्गत स्थापित 7 क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों में से एक है जिसका मुख्यालय इलाहाबाद में है। देश की सांस्कृतिक धराहरों व प्रदर्शनकारी लोक कला रूपों के संरक्षण, सम्वर्द्धन व विकास को समर्पित यह केन्द्र अपने स्थापना काल से ही इस दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है। मोतिहारी (पूर्वी चम्पारण) में राष्ट्रपिता की 150वीं जयन्ती के अवसर पर उन्हें नमन करने हेतु नील आन्दोलन के इस पवित्र भूमि में केन्द्र द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से पूर्वी चम्पारण के चयनित विविध स्थानों में 'लोकोत्सव 2018' का आयोजन किया जा रहा है।

केन्द्र की विज्ञप्ति के अनुसार 'लोकोत्सव 2018' का शुभारम्भ दिनाँक 25.10.18 को नंद उच्च विद्यालय सुगौली, 26.10.18 को राजाराम हाईस्कूल, तुरकौलिया, 27.10.18 को ज्ञान ज्योति विद्यालय, घोड़ासहन, 28.10.18 को गाँधी लाइक केयर विद्यालय, ढाका एवं 29.10.18 को राजेन्द्र नगर भवन मोतिहारी में बहुरंगी मनोहारी प्रस्तुतियों के साथ इस पांच दिवसीय सांस्कृतिक आयोजन का समापन होगा। राष्ट्रपिता को समर्पित इस इन्द्रधनुषी आयोजन में दर्शकों को एक साथ, एक मंच पर देश की लोक संस्कृति के प्रदर्शनकारी लोकरंगों को देखने का अवसर मिलेगा। इस आयोजन में उत्तर पूर्व आसाम के श्री ज्याँयदेव डेका एवं दल द्वारा सुप्रसिद्ध बिहू एवं बरदोईशिखला नृत्य, राजस्थान के रूप सिंह एवं दल द्वारा चकरी, चरी व घूमर नृत्य एवं झारखण्ड के श्री सृष्टिधर महतो एवं दल द्वारा पुरूलिया छऊ नृत्य की प्रस्तुतियां सम्पन्न होंगी। इन प्रस्तुतियों के अतिरिक्त 25 एवं 26 अक्टूबर 2018 को उत्तर प्रदेश के डॉ0 मन्नू यादव एवं दल द्वारा बिरहा गायन तथा दिनाँक 27 से 29 अक्टूबर 2018 तक उत्तर प्रदेश के ही श्री अभयराज यादव एवं दल द्वारा बिरहा गायन की प्रस्तुतियाँ होंगी। इन प्रस्तुतियों के साथ ही प्रतिदिन प्रत्येक स्थान पर स्थानीय लोक कलाकारों द्वारा दर्शकों को आंचलिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बिहार की लोक संस्कृति से परिचित कराया जायेगा। कार्यक्रम निःशुल्क है तथा सभी कला प्रेमी एवं आमजन सादर आमंत्रित हैं। कार्यक्रम प्रस्तुति सायं 6:00 बजे से प्रारम्भ होगी।

प्रचार–प्रसार

14, C.S.P. Singh Marg, Allahabad-211 001 INDIA Phone : Off. (0532) 2421855, Fax : 2423720 (PBX)
e-mail : nczcc@rediffmail.com, website : www.nczccindia.in

पाँच दिवसीय श्रृंखलाबद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम

"लोकोत्सव 2018"

बिहार राज्य के मोतिहारी जिले के पूर्वी चम्पारण का भारत के स्वाधीनता संग्राम में अति महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया गया है। इस भूमि पर युवा मोहन दास करमचन्द्र गाँधी के साथ डॉ राजेन्द्र प्रसाद जैसे राजनेताओं ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम की दिशा एवं दशा अपने सुप्रसिद्ध नील की खेती के विरुद्ध चलाये आंदोलन से तय की। इस क्षेत्र के किसानों, श्रमिकों, गरीबों व उपेक्षित वर्गों को लेकर चलते हुए ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ एक जोरदार और बेहद प्रभावी, वृहद आंदोलन चलाया। मोतिहारी की भूमि पर उपजा यह आंदोलन सम्पूर्ण भारतवर्ष में जल्द ही फ़ैल गया और बिखरे हुए भारत को किसानों, श्रमिकों, ग़रीबों व समाज के उपेक्षित वर्गों के सम्मिलित प्रयास से एक सूत्र में पिरोने का अतुलनीय कार्य किया। ये युवा मोहन दास करमचन्द्र गाँधी के जीवन एवं संघर्ष की उन महत्वपूर्ण कृत्यों में से एक है जिसने युवा मोहन दास में छिपे भारत के राष्ट्रपति महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व, चरित्र एवं आत्मशक्ति का सम्पूर्ण विश्व को अनुभूति करायी।

02 अक्टूबर, 2019 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी कि 150 जयंती होगी जिस अवसर के लिए देश के यशस्वी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने संकल्प लिया है की वे सम्पूर्ण भारत देश में महात्मा गाँधी द्वारा परिकल्पित भारत को साकार रूप देना चाहते है एवं इसी संकल्प से जनमानस को जोड़ने के प्रयास स्वरुप भारत सरकार द्वारा राष्ट्रपिता की 150 जयंती की वर्षगाँठ मनाई जा रही है। इसी संकल्प की पूर्णाहूति हेतु संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, इलाहाबाद द्वारा जिला प्रशासन, मोतिहारी के सार्थक सहयोग से महात्मा गाँधी जी की महत्वपूर्ण कर्मभूमियों में से एक पूर्वी चम्पारण में लोकजन मानस को जोड़ते हुए, एक सच्ची श्रद्धांजलि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी को समर्पित करने के प्रयास में "लोकोत्सव 2018" का आयोजन 25 से 29 अक्टूबर, 2018 तक किया जा रहा है।

लोक विधा और लोक कला का सीधा सरोकार उस क्षेत्र के परिवेश एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से रहता है जिसका सीधा जुड़ाव किसानों, श्रमिकों, गरीबों के साथ समाज के सभी तबकों से रहता है। इसी सोच का बोध करते हुए सांस्कृतिक केंद्र पाँच दिवसीय, श्रृंखलाबद्ध सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है जिसमें समावेश होगा देश भर से आयी चुनिंदा लोक एवं जनजातीय प्रस्तुतियों का। इन लोक एवं जनजातीय प्रस्तुतियों के माध्यम से जन मानस अपने आप को एक सूत्र से जुड़े होने की अनुभूति करेगा और अपना एक कदम महात्मा गाँधी द्वारा परिकल्पित "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" के सपने को साकार करने की ओर बढ़ा देगा।